Vol XVII, No. 2 2017 - 18 Half yearly Newsletter March 2018

निदेशक की ओर से

केन्द्रीय रेशम जननद्रव्य संसाधन केन्द्र, होसूर में इन-हाउस और सहयोगी नेटवर्किंग अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से अनिवार्य गतिविधियों को ज़ारी रखा गया। शहतूत और रेशमकीट अभिगमों के रोग मुक्त संरक्षण और मुख्य रूप से फसल सुधार को लक्ष्य करते हुए विभिन्न कृषि-जलवायु और तनाव की स्थिति के लिए उनके मूल्यांकन पर गतिविधियों को केंद्रित किया गया। गतिविधियों में रेशम उत्पादन के उपउत्पादों से संभावित मूल्य प्राप्ति के लिए अवसरों का अन्वेषण किया गया।

यह संवादपत्र अक्टूबर 2017 - मार्च 2018 के दौरान केंद्र की प्रमुख गतिविधियों को प्रस्तुत करता है।

डॉ. गार्गी
निदेशक

अनुसंधान गतिविधियाँ

केंद्र की सात परियोजनाएं और विभिन्न केरेबो संस्थानों की दो परियोजनाएं, जिसमें केरेजसंके होसुर सहयोगी है, कार्यान्वित की गईं। आनुवंशिक संसाधनों के संग्रह के अंतर्गत, बीदर, पामपोर और अरुणाचल प्रदेश से 6 शहतूत अभिगम और केरेअवप्रसं मैसूर से 9 रेशमकीट अभिगम संग्रहीत किए गए। कुल 475 रेशमकीट संसाधन [बहुप्रज - 83, द्विप्रज - 369; उत्परिवर्ती - 23] और 1292 शहतूत संसाधन [स्वदेशी - 1007; विदेशी - 285] को सावधानीपूर्वक बीमारी मुक्त संरक्षित किया गया ताकि वे अधिकतम विविधता सुनिश्चित कर सकें जिससे उनके व्यवस्थित विश्लेषण और विशेषता विशिष्ट लक्षणों की पहचान पर ज़ोर दिया जा सके। दो परियोजनाओं का आठवाँ चरण अर्थात एक शहतूत और दूसरा रेशमकीट आनुवांशिक संसाधनों के संरक्षण पर संपन्न हुआ। पांच परियोजनाएं निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार ज़ारी रहीं और केंद्र की अनुसंधान सलाहकार समिति द्वारा दो संरक्षण परियोजनाओं के नौवें चरण के साथ-साथ दो नई परियोजनाओं को अनुमोदित किया गया।

From Director's Desk

The Central Sericultural Germplasm Resources Centre, Hosur continued mandated activities through in-house and collaborative networking research projects. The activities focused on disease free conservation of mulberry and silkworm accessions and their evaluation for various agro-climatic and stress conditions aiming mainly at crop improvement. The activities also explored avenues for probable value realization from sericulture by-products.

This Newsletter highlights the salient activities of the Centre during October 2017 – March 2018.

Dr. Gargi
DIRECTOR

RESEARCH ACTIVITIES

Seven projects of the Centre and two projects of different CSB institutes wherein CSGRC Hosur is collaborator, were implemented. Under collection of genetic resources, 6 mulberry accessions were collected from Bidar, Pampore and Arunachal Pradesh and 9 silkworm accessions from CSR&TI Mysore. A total of 475 silkworm germplasm stock [Multivoltine – 83 and Bivoltine – 369; Mutants - 23] and 1292 mulberry germplasm stock [Indigenous - 1007; Exotic - 285] were meticulously conserved under disease free conditions ensuring maximum diversity with emphasis on their systematic analysis and identification of trait specific promising accessions. Phase VIII of two projects *viz.* one on conservation of mulberry and the other on silkworm genetic resources were concluded. Five projects were continued as per milestone and Phase IX of the two conservation projects as well as two new projects have been approved by the Research Advisory Committee of the Centre.

Published by: Dr. Gargi, Director

बैठकें

अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) की 36 वीं बैठक का आयोजन 14 फरवरी, 2018 को डॉ.चंदिश आर बल्लाल, निदेशक, एनबीएआईआर, बेंगलुरु की अध्यक्षता में, सदस्य डॉ. मधुमिता दासगुप्ता, डॉ. अनीता कोडुरू (डॉ. शरतबाबू की प्रतिनिधि) और डॉ. एब्रहाम वर्गीस व डॉ. एस बी डंडिन, केरेबो के आरसीसी सदस्य की सह-भागिता से किया गया।

नियमित मासिक समीक्षा और अनुसंधान परिषद की बैठकों का आयोजन डॉ. गार्गी, निदेशक केरेजसंके होसुर की अध्यक्षता में किया गया जिनमें चल रही शोध परियोजनाओं की प्रगति, नई परियोजना प्रस्तावों और अन्य गतिविधियों पर चर्चा की गई।

कार्यशाला

केंद्र में 20/01/2018 को बेहतर मूल्य प्राप्ति के लिए शहतूत और कोसा उपोउत्पाद उपयोग पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों में केरेजसंके, रेबीउके, कोल्ड स्टोरेज प्लांट और एरी रेबीउके, होसुर के वैज्ञानिकों / अधिकारियों / स्टाफ और कुछ परिवार के सदस्य शामिल थे। अतिथि संकाय श्रीमती सुविधा राजू, सहायक प्रोफेसर, निफ्ट, कन्नूर थीं। जिन्होने रंगे हुए कोसों से तैयार हो सकने वाले विभिन्न प्रकार के फूलों की और उनकी व्यवस्था पर एक पावर पॉइंट प्रस्तुति के साथ कार्यशाला की शुरुआत की। इसके बाद, उन्होंने फूलों के प्रकार के आधार पर कोसों को रंगने के लिए रंगों को चुनने, रंगीन कोसों से फूलों की नक्काशी, फूलों की व्यवस्था, रंगे कोसों से सामान तैयार करना आदि की तकनीकों को बताया और प्रदर्शन किया। बाद में प्रत्येक समूह ने विभिन्न प्रकार के फूलों को, चित्रित शहतूत स्टंप / शहतूत स्टेम बेस आदि पर फूलों की व्यवस्था आदि तैयार किए।

MEETINGS

The 36th meeting of the Research Advisory Committee (RAC) was organized on 14th February 2018 under the Chairpersonship of Dr. Chandish R. Ballal, Director, NBAIR, Bengaluru with participation of Members, Dr.Modhumita Dasgupta, Dr.Anita Koduru (representing Dr.Sarat Babu) and invitees Dr.Abraham Varghese and Dr.S.B.Dandin, Members of RCC of CSB.

Regular monthly review meetings and Research Council meetings were held under the Chairpersonship of Dr.Gargi, Director, CSGRC Hosur wherein progress of ongoing research projects, new project proposals and other activities were discussed.

WORKSHOP

A workshop on Mulberry and cocoon by-product utilization for better value realization was organized on 20/01/2018 at the Centre. The participants included scientists/officers/staff of CSGRC, SSPC, Cold Storage Plant and Eri SSPC, Hosur with some of the family members.

The guest faculty was Mrs. Suvidha Raju, Asst. Professor, NIFT, Kannur who initiated the workshop with a Power Point presentation of various types of flowers that could be prepared from dyed cocoons and their arrangements. Subsequently, she explained and demonstrated the technique of choosing colours for dyeing cocoons based on the type of flowers required, carving out flowers from coloured cocoons, arrangement of flowers, preparation of accessories from dyed cocoons etc. Later each group prepared different kinds of flowers, arrangement of flowers on painted mulberry stumps / mulberry stem bases etc.

विषय विशेषज्ञों के साथ इंटरैक्टिव सत्र

विषय विशेषज्ञ डा. एस.बी. डंडिन, लयसन ऑफिसर, जैव विविधता इंटरनेशनल, बेंगलुरु (05.01.2018) और डॉ. रिचा वार्शने, वैज्ञानिक (कीट पारिस्थितिकी), एनबीएआईआर, बेंगलुरु (27.1.2018) को आमंत्रित करके दो इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन किया गया।

डॉ एस. बी. डंडिन ने स्थायी वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा प्राप्त करने के लिए कृषि और वृक्ष जैव विविधता की सुरक्षा में प्रबंधन प्रथाओं और नीति विकल्पों के महत्व को समझाते हुए एक पावर पॉइंट प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण, वृक्ष जैव विविधता की कुछ चुनौतियों का समाधान प्रदान करने में एक भूमिका निभाता हैं क्योंकि यह कृषि की नींव है, कीटों और रोगों से बेहतर प्रतिरोध क्षमता रखता है, जलवायु के जोखिम को कम करता है, पोषण में सुधार लाता है, पारिस्थितिक तंत्र को बढ़ाता है और आजीविका प्रदान करता है। उन्होंने ज़ोर दिया कि, किसी भी फसल को आर्थिक मूल्य मिलने के लिए उसे अनुक्रमित किया जाना चाहिए। एक बार अनुक्रमण होने के बाद, वह फसल विकास कार्यक्रमों में एकीकृत की जा सकती है और पूर्वोक्त वैश्विक चुनौतियों पर काबू पाने के लिए विकसित किए जाने वाले समाधानों का हिस्सा बनने हेतु मान्य की जा सकती है। वर्तमान में उपयोगित और कम उपयोग वाली फसलों जिनका उपयुक्त मूल्य है उनके दुनिया भर में कुपोषण के प्रभावी और आर्थिक समाधान के लिए उपयोग करना आवश्यक हैं । स्थानीय रूप से उपलब्ध, पौष्टिक पहलुओं में समृद्ध मौसमी और कम उपयोग वाले फलों और सब्जियों के उपयोग के बारे में जागरूकता फैलाने पर ज़ोर दिया जा रहा है और इसलिए उनकी लोकप्रियता बढ़ाई जानी चाहिए ताकि किसान उन्हें फसलों के रूप में उगा सकें। इस संबंध में, शहतूत फलों के पौष्टिक मूल्य, रेशमकीट के विशिष्ट लक्षण आदि का विश्लेषण करके पारिस्थितिक तंत्र सेवा में रेशम उत्पादन की भूमिका को परिभाषित करना आवश्यक है।

डॉ रिचा वार्शने, वैज्ञानिक (कीट पारिस्थितिकी), एनबीएआईआर, बेंगलुरु ने एनबीएआईआर के पास उपलब्ध जैव-नियंत्रण एजेंटों, प्रकार, उत्पादन और रखरखाव प्रोटोकॉल, बृहत स्तर पालन तकनीक, संरक्षण, लक्षण वर्णन, फील्ड परिस्थितियों आदि के तहत विवरण आदि पर एक संक्षिप्त परिचय के साथ कीट जैव-नियंत्रण पर एक पावर पॉइंट प्रस्तुति दी। । प्रस्तुति में शहतूत में मीली बग बाधा को नियंत्रित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न जैव-नियंत्रण एजेंट शामिल थे। शहतूत कीटों और टुक्रा जैसे रोगों के नियंत्रण के लिए जैव-नियंत्रण एजेंटों के अधिकांश अध्ययन विशेष रूप से तमिलनाडु के सेलम जिले में सफल साबित हुए हैं। एनबीएआईआर, बेंगलुरु ने क्षे रे अ सं सेलम और उसकी उप-इकाइयों के माध्यम से तमिलनाडु में शहतूत पर थ्रिप्स (*स्युडोडेण्ड्रोथ्रिप्स मोरी* (साईनोप्टीरा: थ्रिप्पिड़े) के पारिस्थितिक प्रबंधन को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया है। *क्राइसोपर्ला ज़ासट्रोवी सीलेमी, क्रिप्टोलेमस मॉन्टौज़ियरी, स्काइम्नस कोक्सिवोरा ट्राइकोग्रामा* जाति, *नेफस* जाति और *एसेरोफेगस पापाइ,* शहतूत के कीटों के नियंत्रण के लिए आपूर्ति की गई कुछ पैरासिटोइड्स हैं।

INTERACTIVE SESSIONS WITH SUBJECT EXPERTS

Two interactive sessions were organized by inviting subject experts Dr.S.B.Dandin, Laison Officer, Biodiversity International, Bengaluru (05.01.2018) and Dr.Richa Varshney, Scientist (Insect Ecology), NBAIR, Bengaluru (27.1.2018).

Dr. S.B. Dandin gave a Power Point presentation explaining the importance of management practices and policy options in safeguarding agricultural and tree biodiversity to attain sustainable global food and nutritional security. He informed that due to climate change, tree biodiversity plays a role in providing solution to some of the above challenges as it is the foundation of agriculture, fights pests and diseases better, mitigates climate risk, improves nutrition, boosts ecosystem and provides livelihood. He emphasized that, for any crop to have economic value it has to be indexed. Once indexing is achieved, the crop can be integrated into development programs and validated to be part of the solutions to be developed for overcoming the aforesaid global challenges. Presently emphasis is on neglected and under-utilized crops that have nutritive value for effective and economic solution to malnutrition, a big problem world over.

Emphasis is being given to address malnutrition through spreading awareness on usage of locally available, seasonal and underutilized fruits and vegetables which are rich in nutritive aspects and hence, their popularity has to be enhanced so that farmers can grow them as crops. In this connection, it is essential to define the role of sericulture in ecosystem service by analyzing the nutritive value of mulberry fruits, the specific traits of silkworms etc.

Dr. Richa Varshney, Scientist (Insect Ecology), NBAIR, Bengaluru delivered a PowerPoint presentation on insect bio-control with a brief introduction on bio-control agents available with NBAIR, types, production and maintenance protocols, mass rearing techniques, conservation, characterization, introduction under field conditions etc.

केंद्र के वैज्ञानिकों / अधिकारियों / तकनीकी सहायकों, ईरेबीउके, होसुर और कोल्ड स्टोरेज प्लांट, र रे बी सं होसुर के वैज्ञानिक सहित सहभागियों ने मोरिकल्चर में जैविक नियंत्रण एजेंटों पर अपने अनुभव साझा किए और शहतूत बागानों एवं अन्य सब्जियों में जैव नियंत्रण एजेंटों के प्रसार के लिए की गयी रूपरेखाओं पर चर्चा की। दोनों सत्र बहुत उपयोगी और इंटरैक्टिव थे।

The presentation included various bio-control agents utilized for controlling mealy bug infestation in mulberry. Most of the studies on bio-control agents for control of mulberry pests and diseases like tukra have proved successful especially in Salem district of Tamil Nadu. NBAIR, Bengaluru have successfully taken up ecofriendly management of thrips (*Pseudodendrothrips mori*) (Thysanoptera: Thripidae) on mulberry in Tamil Nadu through RSRS Salem and its sub-units. *Chrysoperla zastrowi sillemi, Cryptolaemus montrouzieri, Scymnus coccivora Trichogramma sp, Nephus sp. and Acerophagus papayae* are some of the parasitoids supplied for control of pests of mulberry. The participants including Scientists / Officers / Technical Assistants of the Centre, Scientists from Eri SSPC, Hosur and Cold Storage Plant, NSSO Hosur shared their experiences on bio-control agents and discussed modalities followed for their propagation in mulberry plantations and other vegetables. Both the sessions were very useful and interactive.

प्रशिक्षण

जीएसटी

जीएसटी सेवा केंद्र, होसुर में 6 अक्टूबर, 2017 को रेशम उत्पादन हितधारकों के लिए गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में रेशम उत्पादन हितधारकों, डॉ. गार्गी, निदेशक एवं केरेजसंके होसुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक, ईरेबीउके व रेबीउके, होसुर के कर्मचारियों सहित 30 सहभागियों ने भाग लिया। जीएसटी सेवा केन्द्र होसुर के प्रशिक्षकों में श्री के. अरुमुगम, अधीक्षक [तकनीकी], श्रीमती सी.एस.जया, कनिष्ठ अधीक्षक और श्रीमती ए. जेसिंता अधीक्षक शामिल थे। श्री अरुमुगम ने जीएसटी की प्रमुख विशेषताओं, प्रासंगिकता और हितधारकों के संदर्भ में इसके लाभ के बारे में एक सिंहावलोकन दिया। प्रशिक्षण बहुत इंटरैक्टिव था और प्रशिक्षकों द्वारा हितधारकों एवं कुछ केरेबो कर्मचारियों के संदेह को स्पष्ट किया गया।

रेशम अनुसंधान और डेटा विश्लेषण में विंडोस्टेट पैकेज का उपयोग (व. 9.2)

केरेजसंके, होसुर के वैज्ञानिकों और तमिलनाडु एवं बेंगलूरु में स्थित अन्य केरेबो इकाइयों के वैज्ञानिकों के लिए 9 और 10 नवम्बर 2017 को केन्द्र में विभिन्न सांख्यिकीय पैकेजों जैसे एप्लाइड सांख्यिकी, पादप प्रजनन और आनुवांशिकी, क्लस्टरिंग पैक, मल्टीवेरियट पैक और जन्तु विज्ञान की बेहतर समझ और उपयोग के लिए रेशम अनुसंधान और डेटा विश्लेषण में विंडोस्टाट पैकेज के इस्तेमाल पर दो दिन के अभिमुखीकरण प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

TRAINING

GST

Training on Goods and Service Tax (GST) was conducted for sericulture stakeholders on 6th October, 2017 at the GST Sewa Kendra, Hosur which was attended by 30 participants including sericulture stakeholders, Dr.Gargi Director and Senior Scientists of CSGRC, staff of ESSPC and SSPC, Hosur. The trainers from GST Sewa Kendra, Hosur included Sri K. Arumugam, Superintendent [Technical], Smt.C.S.Jaya, Junior Superintendent and Smt. A. Jesinta, Superintendent. Sri Arumugam gave an overview of GST, its salient features, relevance as well as benefits with reference to stakeholders. The training was very interactive and the doubts of the stakeholders as well as some of the CSB staff were cleared by the trainers.

Usage of Windostat packages (Ver. 9.2) in sericultural research and data analysis

A two day “Orientation training on usage of Windostat packages (ver. 9.2) in sericultural research and data analysis” was organized at the Centre on 9th & 10th November 2017 for the scientists of CSGRC, Hosur and other CSB units in Tamil Nadu and Bengaluru for better understanding and usage of various statistical packages *viz.*, Applied statistics, Plant breeding and genetics, Clustering packs, Multivariate pack and Animal sciences.

प्रतिभागियों में केरेअवप्रसं, मैसूर, क्षेरेअके, कोइती व क्षेरेअके, सेलम; अप्रके-उप इकाइ बेरीगाई और ट्रिची; रेजैप्रौअप्र कोइती व रेबीप्रौप्र, कोइती, रारेबीसं - कोल्ड स्टोरेज प्लांट, रेबीउके एरी एवं केरेजसंके, होसुर जैसे विभिन्न केरेबो इकाइयों के कुल 24 वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

श्री मुरली मोहन खेतान, निदेशक, इंडोस्टेट सेवा, बेंगलूरु, विशेषज्ञ व्यक्ति थे जिन्होंने प्रतिभागियों को पैकेज के साथ आपूर्ति की गई स्वयं शिक्षण ट्यूटोरियल मैनुअल का उपयोग करके सांख्यिकीय मॉड्यूल और उनके घटकों को समझाते व प्रदर्शन करते हुए विभिन्न सत्रों में शिक्षित किया। मैनुअल का सीडी प्रारूप भी प्रत्येक प्रतिभागी को सौंपा गया, जो उनकी अनुसंधान परियोजनाओं से संबंधित आंकड़ों के विश्लेषण पर स्पष्टीकरण के लिए मदद करेगा। वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नों के स्पष्टीकरण के साथ कुछ वैज्ञानिक द्वारा लाए डेटा को उचित मॉड्यूल का उपयोग करके सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया और परिणामों की उपयुक्त व्याख्या भी प्रस्तुत की गई। समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए गए।

लोक वित्त प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) - ईएटी मॉड्यूल

केंद्र के प्रशासनिक अधिकारियों / कर्मचारियों और तमिलनाडु में अन्य केरेबो प्रतिनिधिमंडलों के लिए पीएफएमएस पोर्टल (https://pfms.nic.in) के विभिन्न मॉड्यूलों की बेहतर समझ और उपयोग हेतु पीएफएमएस-ईएटी (व्यय, अग्रिम और हस्तांतरण) मॉड्यूल पर 2 फरवरी 2018 को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षकों में श्री कुमार जयवर्धन, परियोजना प्रबंधक, श्री अभिषेक कुमार और श्री रामकृष्णन, राज्य परियोजना निगरानी इकाई (एसपीएमयू) से संचालन प्रबंधक, पीएफएमएस, चेन्नई शामिल थे जिन्होने प्रतिभागियों को मॉड्यूल और प्रत्येक मॉड्यूल के घटकों को समझाया और प्रदर्शन किया। विभिन्न केरेबो इकाइयों जैसे क्षेरेअसं, सलेम, रेबीउके, होसुर, तिरुपत्तूर, धर्मपुरी, पी 2 फार्म येलगिरि हिल्स और केरेजसंके, होसुर के कुल 22 कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएफएमएस के ईएटी मॉड्यूल को पावर पॉइंट प्रस्तुति के प्रयोग से पढ़ाया गया और पीएफएमएस पोर्टल में लाइव डेटा का उपयोग कर प्रतिभागियों को ऑनलाइन उदाहरण दिखाए गए जो बेहतर समझ में मदद करते हैं। प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों को प्रत्येक सत्र के दौरान प्रशिक्षकों द्वारा स्पष्ट किया गया जिससे प्रतिभागियों को फायदा हुआ। समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए गए।

The participants included a total of 24 scientists of various CSB units namely nested units of CSR&TI, Mysuru i.e. RSRS, Kodathi, RSRS, Salem, REC- Sub units of Berigai and Trichy; SBRL, Kodathi, SSTL, Kodathi; NSSO - Cold Storage Plant, SSPC Eri and CSGRC, Hosur.

Shri Murali Mohan Khetan, Director, Indostat Services Bengaluru was the resource person who handled various sessions, explaining and demonstrating the statistical modules and their components using the self learning tutorial manual supplied along with the packages to the participants. CD format of the manual was also handed over to each participant, which will help them for clarifications on data analysis pertaining to their research projects. The data brought by some of the scientists were statistically analyzed using appropriate modules and suitable interpretation of the results was also furnished along with clarification for queries posed by the scientists. Certificates were presented to the participants during the concluding session.

Public Finance Management System (PFMS) -EAT Module

One day training program on "PFMS- EAT (Expenditure, Advance and Transfer) Module was organized on 2nd February 2018 for the Adminstrative Officers / Staff of the Centre and other CSB delegated units in Tamil Nadu for better understanding and usage of various modules of PFMS portal (https://pfms.nic.in). The trainers included Shri Kumar Jayavardhan, Project Manager, Shri. Abhishek Kumar and Shri Ramakrishnan, Operational Managers from State Project Monitoring Unit (SPMU), PFMS, Chennai who explained and demonstrated the modules and the components in each module to the participants. A total of 22 personnel from various CSB units namely RSRS, Salem, SSPC, Hosur, Thirupathur, Dharmapuri and P2 Farm Yelagiri Hills and CSGRC, Hosur, participated in the training programme. The EAT modules of PFMS were taught using PowerPoint presentation and online examples were shown to the participants using live data in the PFMS portal which help in better understanding. The queries posed by the participants were clarified by the trainers during each session which benefitted the participants. During the concluding session certificates were presented to the participants.

अन्य गतिविधियां

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

सतर्कता जागरूकता सप्ताह केरेजसं के होसुर द्वारा, संयुक्त रूप से एरी रेबीउके और कोल्ड स्टोरेज प्लांट, ररेबीसं होसूर के साथ 30.10.17 से 3.11.17 तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन 30.10.17 को केरेजसंके होसुर की निदेशक डा. गार्गी के उद्घाटन भाषण के साथ हुआ और सभी प्रतिभागियों ने प्रतिज्ञा ली और मंत्रियों व अन्य गणमान्य व्यक्तियों के संदेश पढ़े गए जिसके बाद सभी कर्मचारी सदस्यों के लिए निबंध और व्याख्यान प्रतियोगितायें थी। 31 अक्टूबर 2017 को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया और 1 नवंबर 2017 को स्कूल छात्रों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। समापन समारोह का आयोजन 3 नवंबर, 2017 को किया गया जिसमें स्कूलों के प्रिंसिपल मुख्य अतिथि थे और प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

कौमी एकता सप्ताह

केंद्र ने होसुर के अन्य केरेबो इकाइयों को शामिल करते हुए, भाषाई सद्भाव दिवस के बाद 23/11/2017 को महिला दिवस और 25/11/2017 को पर्यावरण संरक्षण दिवस मनाके कौमी एकता सप्ताह का आयोजन किया। अपने उद्घाटन संबोधन में निदेशक डॉ. गार्गी ने सांप्रदायिक सद्भाव की भावना को सुदृढ़ करने के लिए राष्ट्रीय एकता सप्ताह को मनाने के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कर्मचारियों को भारत सरकार के राष्ट्रीय एकीकरण निधि के प्रति योगदान देने का आग्रह किया। भाषाई सद्भाव दिवस को चिन्हित करने के लिए एक कविता प्रतियोगिता (किसी भी भाषा) का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतियोगीयों ने हिंदी, तमिल, कन्नड़ा, मलयालम और तेलुगू में कवितायें सुनायी। महिला दिवस के अवसर पर डा. जी. लोकेश, वैज्ञानिक-सी, केरेजसंके होसुर द्वारा "भारतीय समाज में महिलाओं का महत्व और राष्ट्र निर्माण के विकास में उनकी भूमिका" पर एक पावर पॉइंट प्रस्तुति दी। इसके बाद इसी विषय पर सभी कर्मचारियों, सदस्यों के लिए, एक भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसके बाद पुरस्कार वितरण और राष्ट्रीय गान हुआ। केन्द्रीय रेशम बोर्ड के माननीय सदस्य सचिव, श्री रजित रंजन ओखंडियर आईएफएस द्वारा केंद्र के गेस्ट हाउस के सामने सजावटी पौधों का रोपण करके पर्यावरण संरक्षण दिवस मनाया गया।

OTHER ACTIVITIES

Vigilance awareness week

The Vigilance Awareness Week was conducted by CSGRC Hosur jointly with Eri SSPC and Cold Storage Plant, NSSO Hosur from 30.10.17 to 3.11.17. The program was inaugurated on 30.10.17 with inaugural address by Dr.Gargi, Director, CSGRC Hosur, pledge by all participants, reading of messages by Ministers and other dignitaries followed by essay and elocution competitions for staff members. 31st October 2017 was celebrated as National Unity Day and on 1st Nov. 2017 drawing competition was conducted for school students. The valedictory function was organized on 3rd Nov.2017 wherein the Principals of schools were Chief guests and prizes were awarded to winners of competitions.

Quami Ekta week

The Centre observed Quami Ekta Saptah involving other CSB units in Hosur by organizing Linguistic Harmony day followed by Women's day on 23/11/2017 and Environment Conservation day on 25/11/2017. The Director, Dr. Gargi in her inaugural address briefed about the significance of observing National Integration week to reinforce the spirit of Communal Harmony. She also urged the employees to contribute towards national integration funds to the Govt. of India. A Poetry competition (any language) was organized to mark the Linguistic Harmony Day wherein, the contestants recited poetries in Hindi, Tamil, Kannada, Malayalam and Telugu. On the occasion of Woman's day, a presentation on "Importance of Women in Indian Society and their role in development of nation-building" was made by Dr. G. Lokesh, Scientist C, CSGRC Hosur. Subsequently, a speech competition was also organized on the same topic for all staff members followed by prize distribution and singing of National Anthem. The Environment Conservation day was observed by planting ornamental plants in front of the Centre's Guest House by the Hon'ble Member Secretary, Central Silk Board, Shri. Rajit Ranjan Okhandiar, IFoS.

सदस्य सचिव का दौरा

श्री. रजित रंजन ओखंडियर, आईएफओएस, माननीय सदस्य सचिव, केरेबो ने 25/11/2017 को केंद्र का दौरा किया और वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कुशल फार्म श्रमिकों (एसएफडब्ल्यू) के साथ बातचीत की। उन्होंने कृषि-वन-वृक्षारोपण उपयुक्त शहतूतों की पहचान और कुपोषण से निपटने के लिए शहतूत के फलों की उपयोगिता के लिए संभावनाएं तलाशने की आग्रह किया। एसएफडब्ल्यूज ने अपनी समस्याएं रखीं और सदस्य सचिव ने सरकारी नियमों के अनुसार मामलों को सुलझाने के लिए आश्वस्त किया। सदस्य सचिव ने विभिन्न प्रयोगशालाओं, कंप्यूटर सेल, पुस्तकालय, प्रशासनिक विभाग, कीटपालन घर, शहतूत बागान, ग्रेनेज, स्टाफ क्वार्टर क्षेत्र, गेस्ट हाउस आदि का दौरा किया। सदस्य सचिव ने केंद्र की देखभाल की सराहना की और खाली ज़मीन पर आर्थिक महत्व के वृक्षों का वृक्षारोपण सुनिश्चित करने के लिए सलाह दी।

Visit to Laboratory and field

Visit to Museum and Library

संविधान दिवस : देश का संविधान दिवस 25.11.2017 को मनाया गया, जिसमें डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की 125 वीं जयंती पर प्रतिज्ञा लेकर संविधान के प्रति वचनबद्धता दोहराई गई।

नव वर्ष समारोह : नए साल 2018 का निदेशक, के रे ज सं के होसुर और कर्मचारियों द्वारा केक काटने के साथ स्वागत किया गया, जिसके बाद निदेशक का सम्बोधन था जिसमे वर्ष के दौरान विभिन्न गतिविधियों के बेहतर कार्यान्वयन और आगामी वर्ष के लिए सभी सदस्यों को बधाई दी गई।

गणतंत्र दिवस समारोह : 26 जनवरी, 2018 को परिसर में राष्ट्रीय ध्वजारोहन और सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारी सदस्यों, कुशल फार्म श्रमिकों और उनके परिवार के सदस्यों की भागीदारी के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया।

Visit of Member Secretary to the Centre

Shri. Rajit Ranjan Okhandiar, IFoS, the Hon'ble Member Secretary, Central Silk Board visited the Centre on 25/11/2017 and held interactions with the scientists, officers, staff and Skilled Farm Workers (SFW). He urged to explore possibilities for identification of mulberry accessions suitable for agro-forestry plantation and utility of mulberry fruits to combat malnutrition.

Interaction with Staff members

Visit to Guest House

The SFW put forth their problems and the Member Secretary ensured to take up the matter as per Govt. rules. The Member Secretary visited various laboratories, computer section, library, administrative section, rearing houses, mulberry plantations, grainage, staff quarter area, guest house etc. The Member Secretary appreciated the upkeep of the Centre and advised to ensure plantation of economic trees in the vacant land.

Constitution Day: The Constitution Day of the country was observed on 25.11.2017 celebrating the 125th Birth Anniversary of Dr. B. R. Ambedkar with taking of pledge and reading Preamble to the Constitution.

New Year Day Celebration: The New Year 2018 was welcomed with cutting of cake by the Director, CSGRC Hosur and staff followed by Director's address emphasizing on better implementation of various activities during the year and congratulated all members for the forthcoming year.

Republic Day celebration: Celebrated Republic Day on 26th January, 2018 in the campus with hoisting of the National Flag and participation of all Scientists, Officers, Staff members, Skilled Farm Workers and their family members in the ceremony.

राजभाषा कार्यान्वयन

राजभाषा (हिंदी) कार्यान्वयन के लिए दिनांक 25.11.2017 और 17.03.2018 को एरी रे बी उ के और कोल्ड स्टोरेज प्लांट, होसूर के साथ संयुक्त रूप से दो कार्यशालाएं आयोजित की गयी। पहली कार्यशाला में डॉ. नारायण राव, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक, केन्द्रीय कार्यालय, के रे बो, बेंगलूरू ने राजभाषा हिंदी की शुरूआत, दैनिक सरकारी काम में हिंदी का सरल उपयोग, हिंदी के महत्व और इसके उपयोग पर व्याख्यान दिया। दूसरी कार्यशाला में श्री कोमल सिंह, हिंदी निर्देशक योजना के सहायक निदेशक (आरबी), चेन्नई, द्वारा राजभाषा नीति, नियमों, विनियमों और कार्यान्वयन एवं मोबाइल प्रयोग अथवा लीला ऐप का इस्तेमाल पर व्याख्यान दिया। दोनों कार्यशालाएं लाभदायक थी क्योंकि यह नियमित नोटिंग और मसौदे तैयार करने में हिंदी के बढ़ते उपयोग में परिलक्षित होता है।

नियमित आधिकारिक कामों में हिन्दी के उपयोग को बढ़ाने के लिए कर्मचारी सदस्यों को प्रेरित करने हेतु आधिकारिक भाषा उन्मुखीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत, हिंदी अंत्याक्षरी और सामान्य प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम क्रमशः 30.11.2017 और 25.01.2018 को आयोजित किए गए, जिसमें कर्मचारी सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तीन बैठक 03.10.2017, 23.12.2017 और 20.03.2018 को आयोजित की गई जिसमें कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई। डॉ. गार्गी, निदेशक और डॉ. गीता एन. मूर्ति, वैज्ञानिक-डी और हिंदी विभाग की अधिकारी प्रभारी ने सभी कर्मचारियों से नियमित आधिकारिक काम में हिंदी के उपयोग को बढ़ाने के लिए प्रयास करने का आग्रह किया।

स्वच्छता पखवाड़ा

स्वच्छता पखवाड़ा का उद्घाटन औपचारिक रूप से 01/03/2018 को केरेजसंके, होसूर में किया गया, जिसमें डॉ. एम.पी. सरवनन, संवाददाता और प्राचार्य, स्वाती मैट्रिक्यूलेशन हयर सेकेंडरी स्कूल, होसुर मुख्य अतिथि थे और श्री रामकुमार, पीपुल्स सोसाइटी ऑफ होसुर के सचिव (टीपीएसओएच) और श्रीमती एम. रानी, प्रिंसिपल, सरकारी हाई स्कूल, अंधीवाड़ी आमंत्रित थे। केरेजसंके होसुर की निदेशक डॉ. गार्गी द्वारा मुख्य अतिथि, आमंत्रितों और प्रतिभागियों के स्वागत के बाद स्वच्छता प्रतिज्ञा ली गयी। मुख्य अतिथि ने कहा कि, केरेजसंके होसुर, शहर में सबसे स्वच्छ परिसर है और स्वच्छ भारत अभियान के तहत गांवों में जागरूकता फैलाने के लिए केंद्र की योजना की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से छात्रों को अपने घरों, आसपास के क्षेत्रों, सड़कों, स्कूल, कार्यालय, कस्बों और शहरों को साफ रखने के लिए अपील की। इसके बाद, आमंत्रितों ने भी स्वच्छ भारत अभियान के बारे में अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, जिसके बाद कर्मचारी सदस्यों के साथ-साथ स्कूल के छात्रों के लिए भाषण प्रतियोगिता भी हुई।

Official language implementation

Towards implementation of Official language (Hindi), two workshops were organized on 25.11.2017 and 17.03.2018 jointly with Eri SSPC and Cold Storage Plant, Hosur. The first workshop consisted of invited lecture by Dr.Narayana Rao, Senior Hindi Translator, Central Office, CSB, Bengaluru on introduction of official language Hindi, simple use of Hindi in daily government work, importance of the Hindi and its usage. The second workshop included invited lecture by Mr. Komal Singh, Assistant Director (RB) of the Hindi Teaching Scheme, Chennai on introduction of official language, official language policy, rules, regulations and implementation as well usage of the mobile application for Hindi classes i.e. Leela app. Both the workshops were beneficial as is reflected in the enhanced usage of Hindi in routine notings and draftings.

Under the Official Language Orientation Program for motivating staff members towards increasing the usage of Hindi in routine official work, Hindi Antakshari and general quiz programs were organized on 30.11.2017 and 25.01.2018, respectively in which staff members actively participated. Three meetings of the Official Language Implementation Committee were organized on 03.10.2017, 23.12.2017 and 20.03.2018 wherein the progress of work was reviewed. Dr.Gargi, Director and Dr.Geetha N.Murthy, Scientist-D & Officer incharge of Hindi Section urged all staff to strive to enhance the usage of Hindi in routine official work.

Swacchata Pakhwada

The Swachhta Pakhwada was formally inaugurated on 01/03/2018 at CSGRC, Hosur wherein Dr.M.P. Saravanan, Correspondent and Principal, Swathi Matriculation Higher Secondary School, Hosur was the Chief Guest and Mr. Ramkumar, Secretary of the People's Society of Hosur (TPSOH) and Smt. M. Rani, Principal, Govt. High School, Andhiwadi were invitees. Dr. Gargi, Director, CSGRC, Hosur welcomed the Chief Guest, invitees and participants followed by administration of the Swachhta Pledge by the participants. The Chief Guest opined that, CSGRC Hosur is the cleanest campus in the City and appreciated the Centre's plan to spread awareness in villages under Swachh Bharat Abhyaan. He appealed especially to students to keep their homes, surrounding areas, streets, school, offices, towns and cities clean. Subsequently, the invitees also presented their outlook on Swachch Bharat Abhiyan which was followed by elocution competition for staff members as well as school students.

02/03/2018 को परिसर के भीतर और 05/03/2018 को खुले इलाकों और स्टाफ क्वार्टर के पीछे स्टाफ सदस्यों की भागीदारी के साथ एक स्वच्छता अभियान किया गया जिसमें मुख्य द्वार पर "अपने शहर को साफ और हरा रखें" बैनर को प्रदर्शित किया गया। तसर रेशम कीट *एंथीरिया मइलिट्टा* के भोज्य पौधे *टर्मिनलिया अर्जुना* को वन्य रेशम भोज्य पौधों के लिए प्रदर्शन प्लाट में लगाया गया।

A cleanness drive was undertaken within the campus on 02/03/2018 and in the open areas and passages behind staff quarters on 05/03/2018 with participation of the Director and staff members displaying “Keep your City Clean and Green” banner at the Main Gate. Saplings of *Terminalia arjuna* the host plant of tasar silkworm *Antheraea mylitta* were planted in the demonstration plot for non-mulberry host plants.

07/03/208 को, केरेजसंके, होसूर में एक रेशम उत्पादन किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें श्रीमती पी. श्रीवेनकडप्रिया, आईएएस, निदेशक, डीओएस, तमिलनाडु मुख्य अतिथि थीं, श्री राजशेखर, क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक, धर्मपुरी, डीओएस, तमिलनाडु विशेष आमंत्रित थे और अन्य आमंत्रितों में डॉ राजकुमार, वैज्ञानिक-डी, केरेबो, क्षेरेअसं सेलम शामिल थे; टीएनएयू के प्रोफेसरों; होसुर और आस-पास के इलाकों से रेशम उत्पादन किसानों और एरी रेबीउके, होसुर के वैज्ञानिक व कर्मचारी थे। श्रीमती पी. श्रीवेनकडप्रिया, आईएएस ने सभी किसानों को अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए उनके घरों और खेतों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए कहा। उन्होंने के रे ज सं के, होसुर की स्वच्छता और स्वच्छ परिसर की सराहना की और शुभकामनाएं दीं कि सभी कार्यालय और प्रतिष्ठान स्वच्छता के ऐसे मानक बनाए रखे। इसके बाद, स्वच्छता की जागरुकता पर एक पावर पॉइंट प्रस्तुति दिखायी गई और प्रतिभागियों द्वारा प्रतिज्ञा ली गई।

On 07/03/208, a Sericulture Farmer's awareness programme at CSGRC, Hosur wherein Smt. P. Srivenkadapriya, IAS, Director, DOS, Tamil Nadu was the Chief Guest, Shri Rajasekar, Regional Joint Director, Dharmapuri, DOS, Tamil Nadu was the special invitee and other invitees included Dr. Rajkumar, Scientist-D, CSB, RSRS Salem; Professors from TNAU; sericulture farmers from Hosur and nearby areas and staff from ESSPC, Hosur. Smt. P. Srivenkadapriya, IAS called upon all farmers to maintain cleanliness and hygiene in and around their homes and farms for good health and prosperity. She appreciated the clean and neat campus of CSGRC, Hosur and wished all offices and establishments could maintain such standards of cleanliness. Thereafter, a power point presentation on Swachhta awareness was shown and the swachhta pledge was taken by the participants.

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2018 स्वच्छता पाखवाड़ा के एक भाग के रूप में आयोजित किया गया जिसमें विशेष रूप से महिलाओं के लिए रेशम उत्पादन जागरूकता के अतिरिक्त स्वच्छता जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों के परिवारी जनों ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने, स्वच्छता जागरूकता और विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं के विषय में, जिनके पास शौचालय सुविधा बहुत कम है, के संबंध में अपने दृष्टिकोण पेश किए। इस संदर्भ में, महिला कुशल मजदूरों के लिए एक अलग शौचालय सुविधा प्रदान करने हेतु कार्यवाही प्रारम्भ की गयी।

The International Women's Day of 2018 was organized as a part of the Swachhta Pakhwada emphasizing on the requirement of awareness on sanitation especially for women in addition to sericulture awareness. The officers and staff members offered their viewpoints on celebration of International Women's Day and awareness of sanitation especially with respect to rural women who have least access to toilets. In this context, a separate toilet facility for women skilled farm workers is in the final stage of completion and will soon be handed over to them.

केंद्र के सभी अधिकारियों और कर्मचारी सदस्यों एवं आसपास के दुकान मालिकों की भागीदारी के साथ एक और स्वच्छ और ग्रीन ड्राइव 13/03/2018 को पूरी की गयी। कार्यक्रम स्वच्छता प्रतिज्ञा के साथ शुरू किया गया और इसके बाद दुकान मालिकों द्वारा अपनी दुकानों के सामने फूलों के पौधों को लगाया गया और "अपने शहर को साफ और ग्रीन रखें" प्रदर्शित करने वाले एक संकेत बोर्ड को स्थापित किया और पौधों को नियमित रूप से सींचने के लिए अनुरोध किया गया। आसपास के क्षेत्र को साफ रखने हेतु अपशिष्ट अलगाव के लिए दो ड्रम सौंपे गए।

Another Clean and Green Drive was undertaken on 13/03/2018 with participation of all officers and staff members of the Centre and nearby shop owners. The program initiated with administration of the swachhta pledge and subsequently flowering plants were planted by the shop owners in front of their shops and a sign board displaying "Keep your City Clean and Green" was erected with a request to water the plants regularly and keep the surrounding area clean. Two bins were handed over for waste segregation.

14/03/2018 को, रेशम उत्पादन विभाग तमिलनाडु के साथ बेरिगाई तालुक के एक प्रमुख रेशम उत्पादन गाँव नेरिगम में स्वच्छ भारत मिशन का एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें लगभग 50 रेशम उत्पादन किसानों और आसपास के गाँवों के 50 विद्यालय छात्रों ने भाग लिया। सरकारी मुख्यालय हाई स्कूल, नेरिगम और सरकारी मध्य विद्यालय, गुड़ी सातना पल्ली के प्रमुखों ने स्थानीय भाषा में स्वच्छ भारत मिशन पर विशेष भाषण दिया, जबकि केरेजसंके, होसुर और अप्रके - एसयू बेरिगाई के वैज्ञानिक ने मिशन के लक्ष्यों / उद्देश्यों और उनको प्राप्त करने के तरीकों और साधनों पर बात की।

On 14/03/2018, an Awareness programme on Swachh Bharat Mission was organised with Dept. of Sericulture Tamil Nadu at a leading sericultural village Nerigam of Berigai Taluk which witnessed the participation of around 50 sericultural farmers and 50 school students of nearby villages. The Headmasters of Govt. High School, Nerigam and Govt. Middle School, Gudi Sathana Palli delivered special address on Swachh Bharath Mission in the local language, while, CSGRC, Hosur and REC-SU Berigai scientists spoke on the goals and objectives of the Mission and the ways and means to achieve them.

स्वच्छता पर एक भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें लगभग 25 उच्च और मध्यम विद्यालय छात्रों ने भाग लिया और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किया गया। इसके अलावा, अलग-अलग अपशिष्टों के लिए ढक्कन के साथ डिब्बे, स्टूल और ब्लीचिंग पाउडर बैग के साथ पीने के पानी की मशीन इकाइयां दोनों स्कूलों में वितरित की गईं। सभी प्रतिभागियों द्वारा स्वच्छता प्रतिज्ञा की गई।

दोपहर में केरेजसं के होसुर में नारायण हृदयालय, बेंगलुरु के सहयोग से एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. इश्तियाक अहमद, परामर्शदाता नेफ्रोलॉजिस्ट ने सामान्य किडनी समस्याएं, उनके कारणों, लक्षणों और उपलब्ध उपचार के बारे में बताया।

स्वच्छता पाखवाड़ा का समापन समारोह और पुरस्कार वितरण 15/03/2018 को मनाया गया जिसमें डॉ. एस. भूपति, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सरकारी अस्पताल, होसूर, मुख्य अतिथि थे और श्रीमती रेवती, शिक्षक, सरकारी हाई स्कूल, विशेष अतिथि थे। केरेजसंके होसुर के सभी कर्मचारी, एरी रेबीउके व रेबीउके होसुर के प्रतिनिधियों और छात्रों ने भाग लिया। स्वच्छ पाक्वाडा के दौरान किए गए विभिन्न कार्यक्रमों को एक पावर पोइंट प्रस्तुति के माध्यम से प्रस्तुत किया गया, जिसके बाद मुख्य अतिथि डॉ. एस भूपति और श्रीमती रेवती द्वारा भाषण और विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरण थे।

A speech competition on swachhta was organised in which about 25 high and middle school level students took part and prizes were distributed to the winners. Further, bins with lids for segregating wastes, drinking water dispenser units with stools and bleaching powder bag were distributed to both the schools. Swachhta pledge was taken by all the participants.

In the afternoon a health camp was organized at CSGRC in association with Narayana Hrudayalaya, Bengaluru. Dr. Ishthiaque Ahmed, Consultant Nephrologist explained Common Kidney Problems, their causes, symptoms as well as treatments available.

The valedictory function of the Swachhta Pakhwada and Prize distribution was observed on 15/03/2018 wherein, Dr. S. Bhupathi, Chief Medical Officer, Govt. Hospital, Hosur, was the Chief Guest and Smt. Revathi, Teacher, Govt. High School, was the Special Guest. All staff members of CSGRC, representatives from Eri-SSPC and SSPC, Hosur, and students participated. Various programmes carried out during the Swachhta Pakhwada were highlighted through a PowerPoint presentation followed by address by the Chief Guest, Dr. S. Bhupathi as well as Smt. Revathi and distribution of Prizes and certificates to the winners of the elocution competition. The program ended with vote of thanks and rendering National Anthem.

आगंतुक

केंद्र में राष्ट्रीय स्तर के गणमान्य आगंतुकों में श्री रजित रंजन ओखंडियर, आईएफएस, माननीय सदस्य सचिव, श्रीमती पी. श्रीवेनकडाप्रिया, आईएएस, निदेशक, रेशम उत्पादन विभाग, तमिलनाडु; केरेबो, केरेअवप्रसं मैसूर के वैज्ञानिक के साथ डॉ. एस. टॉमीटा, नेता, नई सिल्क रिसर्च यूनिट और नारो जापान के वरिष्ठ शोधकर्ता डॉ. एन.कोमोटो एवं श्री नवीन सुब्रमण्यम, अभियंता, दुबई और जाइका स्वयंसेवक के साथ मैडम मुत्सुको इकेडा, जेओसीवी कार्यक्रम समन्वयक, जाइका इंडिया कार्यालय, नई दिल्ली शामिल थे। आगे विभिन्न विद्यालयों / कॉलेजों के लगभग 378 छात्र / शिक्षक / प्रोफेसर / सहायक कर्मचारी और अन्य शहतूत और रेशमकीट जैव विविधता के बारे में जानकारी हेतु केरेजसंके, होसुर का दौरा किया। डा. जी. लोकेश, वैज्ञानिक-सी और श्री जी. थनवेंदन, वैज्ञानिक-बी ने उन्हें निर्देशित किया और केंद्र की रेशम उत्पादन गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया।

Ms.Mutsuko Ikeda, Co-ordinator, JICA India, New Delhi

Dr. S.Tomita and Dr.N.Komoto from Japan

शहतूत और रेशम कीट जेनेटिक रिसोर्सेज की आपूर्ति : 114 शहतूत तथा 209 रेशम कीट अभिगम, विभिन्न संस्थानों / विश्वविद्यालयों को अलग-अलग उद्देश्यों यथा रूट सड़ांध प्रतिरोध मूल्यांकन, क्यूटीएल की खोज, पीजी / पीएच.डी. अनुसंधान कार्य, फलों के लिए खेती, नस्लों के रख-रखाव और प्रजनन संसाधन के लिए आपूर्त किए गए।

सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) का उपयोग : केंद्र ने इस केंद्र के विक्रेताओं और कर्मचारियों / कुशल श्रमिकों के बिल / वेतन / मजदूरी वेतन ऑनलाइन भुगतान हेतु लोक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) पोर्टल (https://pfms.nic.in) सुविधा का उपयोग ज़ारी रखा।

सरकार ई मार्केटस्थान का उपयोग (जेम) : भारत सरकार के निर्देशों के मुताबिक केंद्र ने आवश्यकता के अनुसार विभिन्न वस्तुओं की खरीदी के लिए जेम पोर्टल (www.gem.gov.in) सुविधा उपयोग ज़ारी रखा।

सेवानिवृत्त वैज्ञानिक / कुशल फार्म श्रमिक को बिदाइ : डॉ. अंबिका पी.के., वैज्ञानिक-डी को स्वेच्छा से सेवानिवृत्ति पर और श्री कृष्णप्पा, एसएफड्ब्ल्यू सेवानिवृत्ति पर बोर्ड सेवा से कार्य मुक्ति दी गयी।

VISITORS

The visiting national level dignitaries included Shri.Rajit Ranjan Okhandiar, IFS, the Hon'ble Member Secretary, Central Silk Board and Smt.P.Srivenkadapriya, IAS, Director, Dept. of Sericulture, Tamilnadu. The overseas visitors included Dr. S.Tomita, Leader, New Silk Research Unit and Dr.N.Komoto, Senior Researcher from NARO Japan alongwith scientist of CSR&TI Mysore as well as Ms.Mutsuko Ikeda, JOCV Programme Coordinator, JICA India Office, New Delhi alongwith JICA volunteer and Mr. Navin Subramanian, Engineer, Dubai. Further around 378 students visited CSGRC, Hosur on different occasions to have first hand information on mulberry and silkworm biodiversity. Dr. G. Lokesh, Scientist-C and Shri.G.Thanavendan, Scientist-B guided them and explained in detail about the sericulture activities of the centre.

SUPPLY OF MULBERRY AND SILKWORM GENETIC RESOURCES: Mulberry cuttings of 114 accessions were supplied to indenters from different institutes/Universities for different purposes like screening for root rot tolerance, discovery of QTLs, project works of Ph.D. students, cultivation for fruits and 209 silkworm accessions for PG research, evaluation, maintenance of breeds and as breeding resource materials.

UTILIZATION OF PUBLIC FINANCIAL MANAGEMENT SYSTEM (PFMS): The Centre continued the utilization of Public Financial Management System (PFMS) portal (https://pfms.nic.in) facility for online payment of bills/salary/wages to vendors and staff/ skilled workers of this centre.

UTILIZATION OF GeM Portal: As per Government of India directives, the Centre continued utilization of the GeM portal (www.gem.gov.in) facility for procurement of various items as per requirement.

FAREWELL TO RETIRING SCIENTIST/SFW: Dr.Ambika P.K., Scientist-D was relieved from Board Service on voluntary retirement and Shri Krishnappa, SFW on superannuation. The Scientists, Officers, Staff members and Skilled Farm Workers felicitated them.

Published by: **Dr. Gargi, Director**
Compiled and Edited by: **Dr. Geetha N. Murthy, Scientist-D and Dr. G. Lokesh, Scientist-C**
Hindi Translation: **Dr. Geetha N. Murthy, Scientist-D and Dr. Gargi, Director**
Photography : **Shri. Narendra Kumar, Librarian & Info. Asst. and Shri. G. Thanavendan, Scientist-B**
DTP: **Sri S. Sekar, Assistant Director (Computer)**

Central Sericultural Germplasm Resources Centre
Central Silk Board (Ministry of Textiles, Govt. of India)
P.B. No. 44, Thally Road, Hosur – 635 109
Phone : 04344 – 222013, 221148, Fax : 220520
e-mail : csgrchos.csb@nic.in , csgrchosur@gmail.com

To